डाक संचालन योजना: ₹1,141 करोड़ में छह घटक

PCSMANTRA.COM

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 25 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: डाक सेवा, लॉजिस्टिक्स, वित्तीय समावेशन

मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-II/III (डाक सेवा, लॉजिस्टिक्स, वित्तीय समावेशन)



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

25 नवंबर 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय क्षेत्र की योजना 'डाक संचालन' (Postal Operations) को 16वें वित्त आयोग चक्र में जारी रखने को मंज़ूरी दी। अवधि वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 है और प्रस्तावित परिव्यय ₹1,141 करोड़ है। [1]

योजना क्या है

केंद्रीय क्षेत्र की योजना वह होती है जिसका पूरा वित्त-पोषण केंद्र सरकार करती है और जिसे केंद्र के विभाग चलाते हैं। यह योजना डाक नेटवर्क के आधुनिकीकरण, पार्सल और मेल संचालन की मज़बूती, ग्रामीण संपर्क और नागरिक-केंद्रित सेवाओं पर केंद्रित है। ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स, वित्तीय समावेशन, अंतर्राष्ट्रीय डाक और डिजिटल रूपांतरण इसके घोषित फ़ोकस हैं। [1]

यह कोई नई योजना नहीं है। विज्ञप्ति में 'निरंतरता' (continuation) की मंज़ूरी लिखी है। इसलिए 'नई योजना शुरू' लिखना ग़लत होगा। [1]

यह भी पढ़ें
निर्यात की बाधाएँ घटाने की नई पहल

पृष्ठभूमि: डाक नेटवर्क का आकार

PIB के अनुसार भारत के डाक नेटवर्क में 1.65 लाख डाकघर हैं। डाक विभाग मेल और पार्सल के अलावा पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक (POSB), इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB), डाक जीवन बीमा (PLI), आधार नामांकन और अद्यतन, पासपोर्ट सेवा केंद्र, KYC सत्यापन और ग्रामीण कारीगरों के लिए डाकघर निर्यात केंद्र (DNK) जैसी सेवाएँ देता है। [1]

छह उप-योजनाएँ और राशि

1. ग्रामीण व्यापार और डाक नेटवर्क तक पहुँच: ₹120 करोड़। डाकघरों के ढाँचे का उन्नयन, एकरूप ब्रांडिंग और संसाधनों का बेहतर उपयोग। [1]

2. मेल नेटवर्क अनुकूलन: ₹575 करोड़। केंद्रीकृत वितरण, मशीनीकरण, उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (APT 2.0), GIS-आधारित सेवाएँ और स्मार्ट 24x7 लेटर बॉक्स। यह सबसे बड़ा घटक है। [1]

3. पार्सल नेटवर्क अनुकूलन: ₹278 करोड़। पार्सल हब का निर्माण और पार्सल पैकेजिंग इकाइयों (PPU) का विस्तार। [1]

4. अंतर्राष्ट्रीय डाक के लिए ढाँचा उन्नयन: ₹8 करोड़। विदेश डाकघर (FPO) और उप-विदेश डाकघर (SFPO) का उन्नयन। [1]

5. विपणन कार्य और सेवा की गुणवत्ता: ₹100 करोड़। प्रचार, ब्रांडिंग, ग्राहक-संपर्क और डाक चौपाल जैसी गतिविधियाँ। [1]

6. फ़िलैटली संचालन: ₹60 करोड़। डाक-टिकट संग्रह को बढ़ावा, प्रदर्शनियाँ, 'ढाई आखर' पत्र-लेखन प्रतियोगिता, स्पर्श छात्रवृत्ति और नए डिज़ाइन के टिकट। [1]

छहों घटकों का योग 120 + 575 + 278 + 8 + 100 + 60 = ₹1,141 करोड़ बैठता है। यह जोड़ हमारा अपना है, विज्ञप्ति ने अलग से योग नहीं दिया है। मेल नेटवर्क का हिस्सा कुल परिव्यय के आधे से कुछ अधिक है। [1]

परीक्षा के लिए तथ्य और सावधानी

तीन बातें अलग रखें: योजना केंद्रीय क्षेत्र की है, अवधि पाँच वर्ष की है और ₹1,141 करोड़ 'प्रस्तावित परिव्यय' है, ख़र्च हो चुकी राशि नहीं। उप-योजनाओं की राशि भी इसी परिव्यय का बँटवारा है। 'डिजिटल इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' से संगति विज्ञप्ति का कथन है; उसे योजना का परिणाम न मानें। [1]

आगे की राह

विश्लेषण: परिव्यय का बड़ा हिस्सा मेल और पार्सल नेटवर्क के लिए प्रस्तावित है। इसका लाभ ई-कॉमर्स और ग्रामीण बाज़ार तक अंतिम छोर की डिलीवरी की गति और भरोसे से आँका जाएगा। वित्तीय समावेशन में डाक नेटवर्क की भूमिका इस योजना के बाहर की सेवाओं (POSB, IPPB) पर भी टिकी है, इसलिए परिणाम-सूचक अलग से तय होने चाहिए। [1]

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: डाक संचालन योजना को 16वें वित्त आयोग चक्र (2026-27 से 2030-31) में जारी रखने को मंज़ूरी दी गई है।

कथन 2: यह केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)

कथन 1 सही है: विज्ञप्ति के अनुसार योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 के लिए जारी रखने की मंज़ूरी मिली है।

कथन 2 सही है: विज्ञप्ति में इसे केंद्रीय क्षेत्र की योजना बताया गया है।

PCSMANTRA.COM

प्रश्न 2. डाक संचालन योजना की छह उप-योजनाओं में से किस उप-योजना के लिए सबसे अधिक राशि प्रस्तावित है?

(a) ग्रामीण व्यापार और डाक नेटवर्क तक पहुँच

(b) मेल नेटवर्क अनुकूलन

(c) पार्सल नेटवर्क अनुकूलन

(d) फ़िलैटली संचालन

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

उत्तर (b): मेल नेटवर्क अनुकूलन के लिए ₹575 करोड़ प्रस्तावित हैं।

पार्सल नेटवर्क अनुकूलन के लिए ₹278 करोड़, ग्रामीण व्यापार के लिए ₹120 करोड़ और फ़िलैटली के लिए ₹60 करोड़ हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

डाक नेटवर्क के आधुनिकीकरण से ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स और ग्रामीण वित्तीय समावेशन को कैसे बल मिल सकता है? 'डाक संचालन' योजना के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: डाक नेटवर्क के आकार और योजना की निरंतरता को रखें।

मुख्य भाग में: मेल, पार्सल और ग्रामीण घटकों की भूमिका, अंतिम छोर की डिलीवरी और डाकघर की अन्य सेवाएँ जोड़ें। परिव्यय को परिणाम न बताएँ।

निष्कर्ष में: परिणाम-सूचक, निगरानी और सेवा-गुणवत्ता के साथ संतुलित निष्कर्ष दें।

स्रोत

- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2341179&lang=1&reg=48

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ क्या डाक संचालन योजना नई योजना है?

नहीं। मंत्रिमंडल ने मौजूदा केंद्रीय क्षेत्र योजना को 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंज़ूरी दी है।

▼ ₹1,141 करोड़ किन घटकों में बँटा है?

छह उप-योजनाओं में: ₹120, ₹575, ₹278, ₹8, ₹100 और ₹60 करोड़।

▼ क्या यह योजना केवल डाकघर बचत बैंक के लिए है?

नहीं। यह मेल, पार्सल, ग्रामीण पहुँच, अंतर्राष्ट्रीय डाक, विपणन और फ़िलैटली के लिए है।

PCSMANTRA.COM